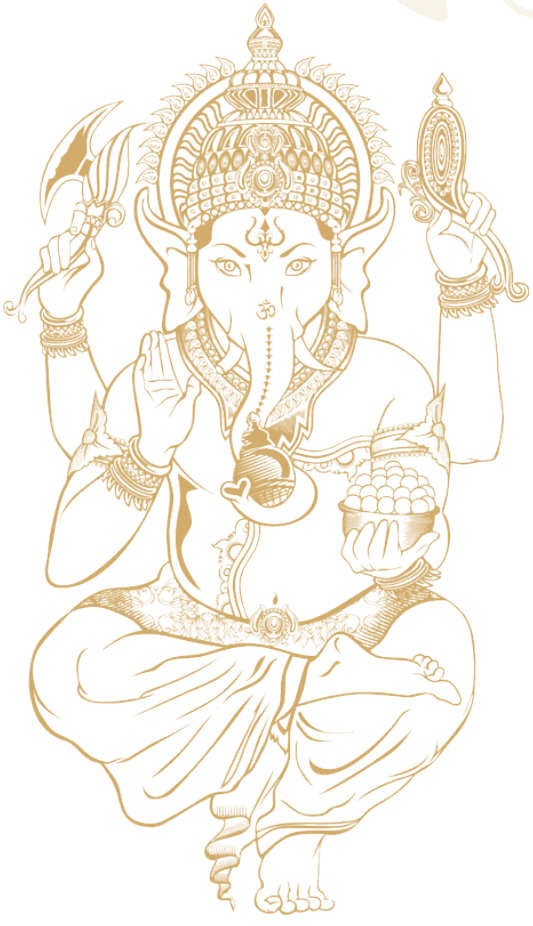

Sarvesh

23 Dec 2003

10:20 AM

Bhiwani

Model: web-freekundliweb

Order No: 121397303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/12/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:20:00 घंटे**
इष्ट	07:41:52 घटी
स्थान	**Bhiwani**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:50:00 उत्तर
रेखांश	76:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:54:40 घंटे
वेलान्तर	00:01:12 घंटे
साम्पातिक काल	15:59:58 घंटे
सूर्योदय	07:15:15 घंटे
सूर्यास्त	17:33:14 घंटे
दिनमान	10:17:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:00:55 धनु
लग्न के अंश	25:05:49 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	25:05:49	452:34:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
सूर्य			धनु	07:00:55	01:01:08	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	04:08:45	15:07:39	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मीन	09:58:47	00:35:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	धनु	15:45:16	01:01:53	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			सिंह	24:46:20	00:02:15	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मक	08:28:18	01:14:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	16:33:52	00:04:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	25:57:02	00:04:53	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	25:57:02	00:04:53	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:48:58	00:02:09	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप			मक	17:29:44	00:01:50	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	26:15:44	00:02:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृश्चि	08:10:18	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:33

लग्न-चलित

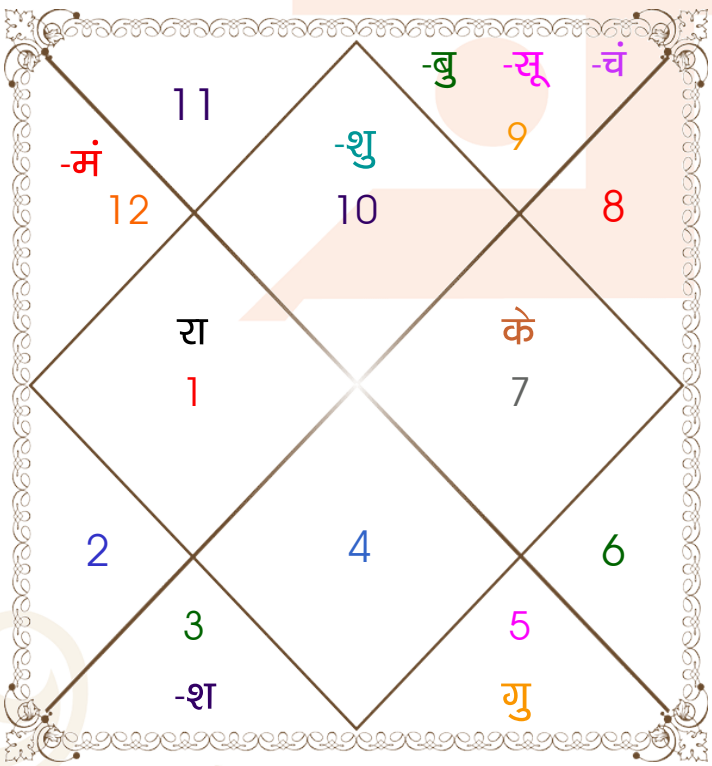

चन्द्र कुंडली

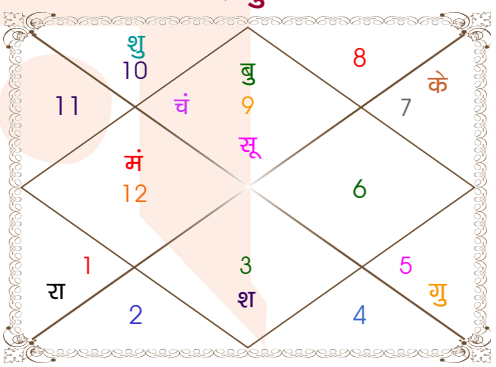

नवमांश कुंडली

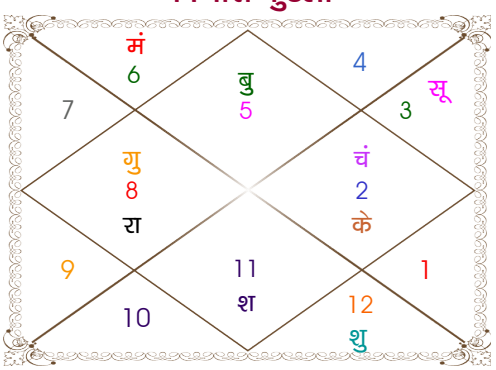

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 9 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/12/2003		19/10/2008		19/10/2028		19/10/2034		19/10/2044	
19/10/2008		19/10/2028		19/10/2034		19/10/2044		19/10/2051	
	00/00/0000	शुक्र	18/02/2012	सूर्य	05/02/2029	चंद्र	20/08/2035	मंगल	17/03/2045
	00/00/0000	सूर्य	17/02/2013	चंद्र	07/08/2029	मंगल	20/03/2036	राहु	04/04/2046
	23/12/2003	चंद्र	19/10/2014	मंगल	13/12/2029	राहु	18/09/2037	गुरु	11/03/2047
चंद्र	22/04/2004	मंगल	19/12/2015	राहु	06/11/2030	गुरु	18/01/2039	शनि	19/04/2048
मंगल	18/09/2004	राहु	19/12/2018	गुरु	26/08/2031	शनि	19/08/2040	बुध	16/04/2049
राहु	07/10/2005	गुरु	19/08/2021	शनि	07/08/2032	बुध	18/01/2042	केतु	12/09/2049
गुरु	13/09/2006	शनि	19/10/2024	बुध	13/06/2033	केतु	19/08/2042	शुक्र	13/11/2050
शनि	22/10/2007	बुध	20/08/2027	केतु	19/10/2033	शुक्र	19/04/2044	सूर्य	20/03/2051
बुध	19/10/2008	केतु	19/10/2028	शुक्र	19/10/2034	सूर्य	19/10/2044	चंद्र	19/10/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/10/2051		19/10/2069		19/10/2085		20/10/2104		20/10/2121	
19/10/2069		19/10/2085		20/10/2104		20/10/2121		00/00/0000	
राहु	02/07/2054	गुरु	07/12/2071	शनि	22/10/2088	बुध	18/03/2107	केतु	18/03/2122
गुरु	24/11/2056	शनि	19/06/2074	बुध	02/07/2091	केतु	15/03/2108	शुक्र	18/05/2123
शनि	01/10/2059	बुध	24/09/2076	केतु	10/08/2092	शुक्र	13/01/2111	सूर्य	23/09/2123
बुध	20/04/2062	केतु	31/08/2077	शुक्र	10/10/2095	सूर्य	20/11/2111	चंद्र	24/12/2123
केतु	08/05/2063	शुक्र	01/05/2080	सूर्य	21/09/2096	चंद्र	20/04/2113		00/00/0000
शुक्र	08/05/2066	सूर्य	17/02/2081	चंद्र	23/04/2098	मंगल	18/04/2114		00/00/0000
सूर्य	02/04/2067	चंद्र	19/06/2082	मंगल	01/06/2099	राहु	04/11/2116		00/00/0000
चंद्र	30/09/2068	मंगल	26/05/2083	राहु	08/04/2102	गुरु	10/02/2119		00/00/0000
मंगल	19/10/2069	राहु	19/10/2085	गुरु	20/10/2104	शनि	20/10/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 9 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकते हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकते हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकते हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकते हैं।

आपकी पत्नी आपकी सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगी। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगे बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगे। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगे। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगे।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वास्थ्य प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकते हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करते हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।